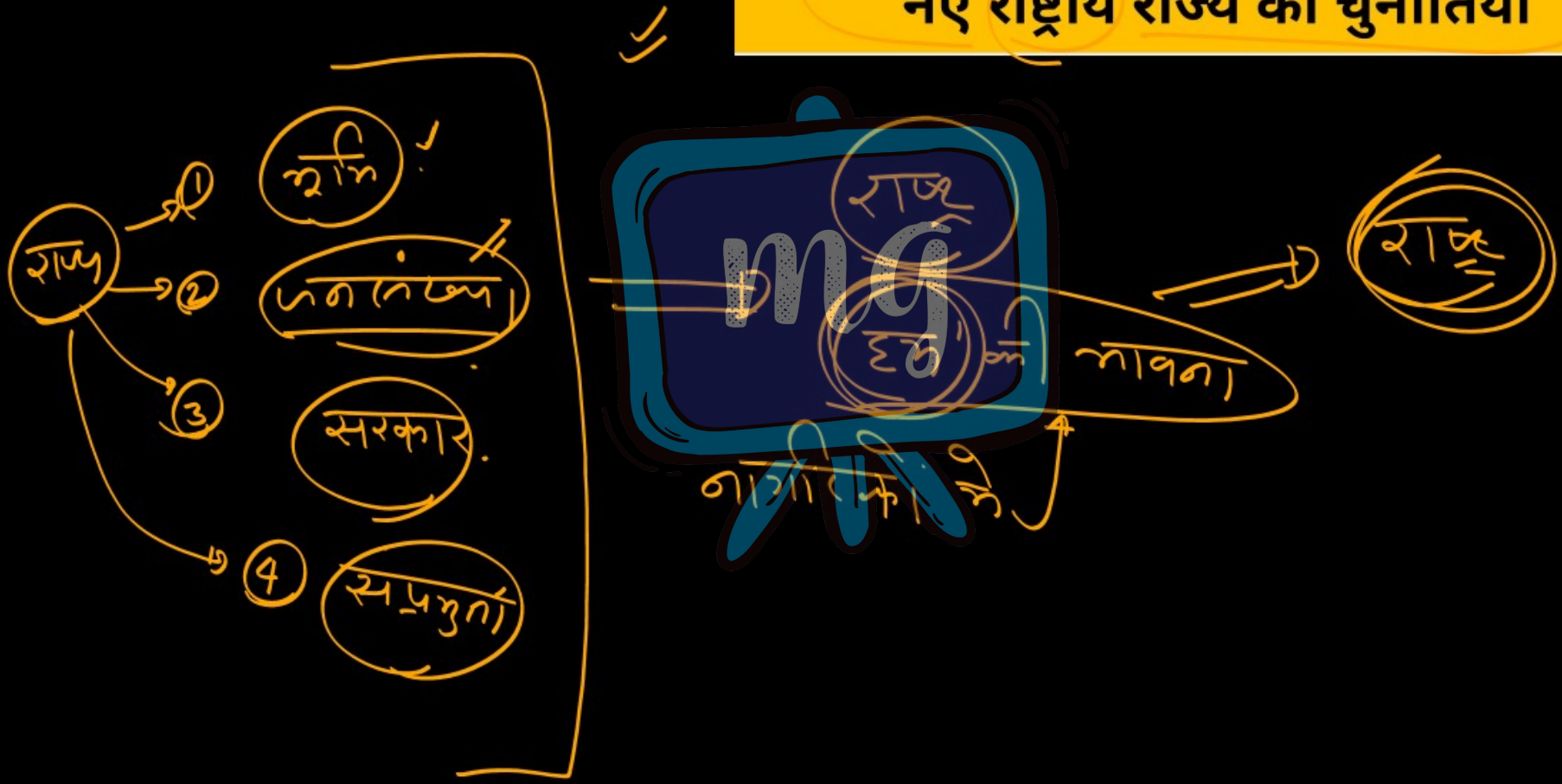
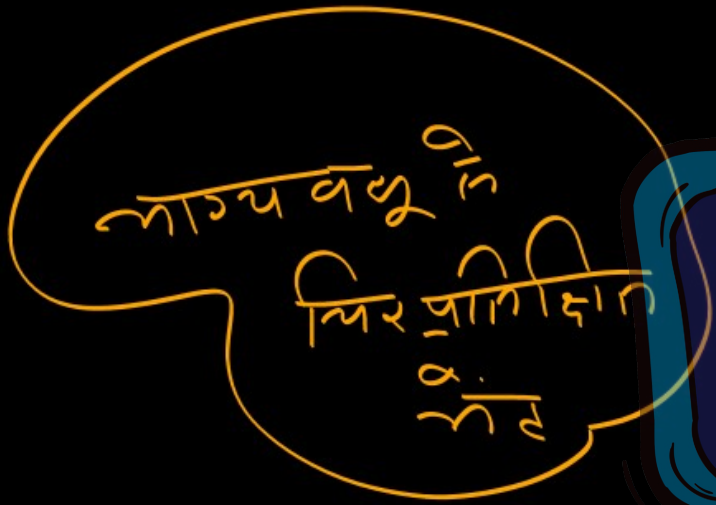

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
कक्षा - 12th | राजनीतिक विज्ञान
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
ई-पाठशाला
राष्ट्र-निर्माण
की चुनौतियां
ONE SHOT
पूरा चैप्टर एक ही क्लास में ...
CONSTITUTION OF INDIA
सत्यमेव जयते
LIVE | 28 SEP | 6:30 PM

नए राष्ट्रीय राज्य की चुनौतियां



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



I. पृष्ठभूमि

- 14–15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को भारत स्वतंत्र हुआ।
- स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने संविधान सभा के विशेष सत्र को संबोधित किया।
- उनका प्रसिद्ध भाषण 'ट्रिस्ट विद् डेस्टिनी' के नाम से जाना गया।
- स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मुख्यतः दो बातों पर सहमति थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(i) • देश का शासन लोकतांत्रिक सरकार द्वारा चलाया जाएगा।

(ii) • सरकार सभी के कल्याण, विशेषकर गरीब और कमजोर वर्गों के लिए कार्य करेगी।

❖ स्वतंत्रता कठिन परिस्थितियों में मिली:

- देश का विभाजन
- व्यापक हिंसा
- बड़े पैमाने पर विस्थापन

• इसलिए स्वतंत्रता के साथ ही राष्ट्र-निर्माण की चुनौती सामने आई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

II. तीन चुनौतियाँ

चुनौती	मुख्य उद्देश्य	प्रमुख प्रश्न
राष्ट्रीय एकता	विविधताओं को स्थान देते हुए भारत को एकजुट रखना	क्षेत्रीय अखंडता कैसे कायम रहे?
लोकतंत्र	लोकतांत्रिक संविधान के अनुरूप व्यवहार विकसित करना	लोकतंत्र केवल संविधान तक सीमित न रहे
विकास	पूरे समाज का कल्याण	आर्थिक विकास और गरीबी के खात्मे की नीतियाँ

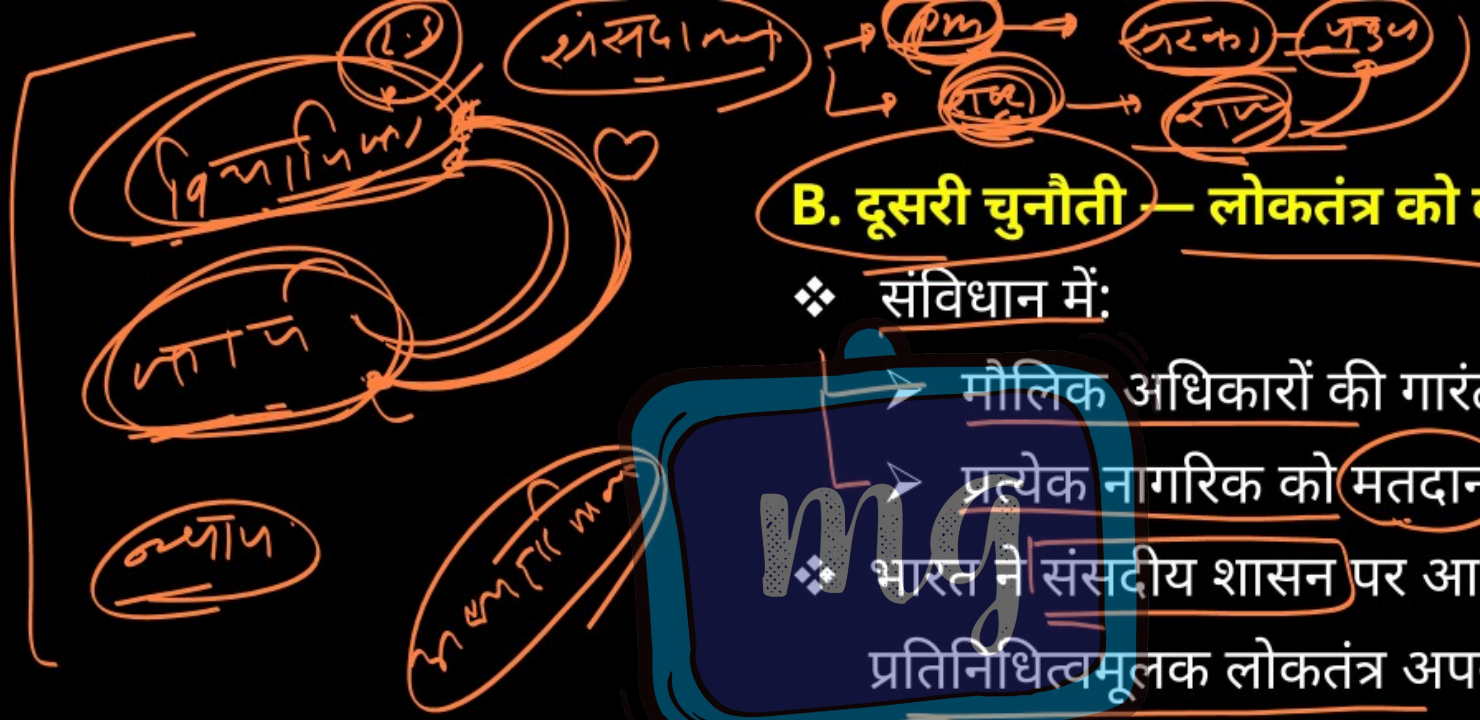
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



A. पहली चुनौती — राष्ट्रीय एकता एवं क्षेत्रीय अखंडता

- भारत अत्यधिक भाषाई, सांस्कृतिक और धार्मिक विविधताओं वाला देश था।
- आशंका थी कि इतनी विविधताओं वाला देश लंबे समय तक एकजुट नहीं रह पाएगा।
- मुख्य चुनौती:
  - सभी विविधताओं के लिए स्थान बनाना।
  - क्षेत्रीय एवं उप-क्षेत्रीय पहचान को नकारे बिना एकता बनाना।
  - भारत की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित करना।



B. दूसरी चुनौती — लोकतंत्र को कायम करना

- संविधान में:
  - मौलिक अधिकारों की गारंटी
  - प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार
- भारत ने संसदीय शासन पर आधारित प्रतिनिधित्वमूलक लोकतंत्र अपनाया।
- केवल लोकतांत्रिक संविधान पर्याप्त नहीं था।
- आवश्यकता थी कि:
  - संविधान के अनुरूप लोकतांत्रिक व्यवहार और आचरण भी विकसित हों।

C. तीसरी चुनौती – समानतामूलक विकास

- ऐसा विकास आवश्यक था जिससे पूरे समाज का भला हो, केवल कुछ वर्गों का नहीं।
- संविधान में:
  - सभी के साथ समानता
  - सामाजिक रूप से वंचित वर्गों को सुरक्षा
  - धार्मिक-सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों को विशेष सुरक्षा
  - राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांतों में लोक-कल्याण के लक्ष्य

❖ मुख्य चुनौती:

- आर्थिक विकास
- गरीबी का खात्मा
- इनके लिए कारगर नीतियों का निर्माण।

Smart Flow

स्वतंत्रता → राष्ट्रीय एकता → लोकतंत्र → समानतामूलक विकास → राष्ट्र-निर्माण

बहुविकल्पात्मक प्रश्न

'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' से कौन संबंधित हैं?

[RBSE-2023]

(A) महात्मा गाँधी

(B) सरदार पटेल

(C) जवाहरलाल नेहरू

(D) डॉ. भीमराव अम्बेडकर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

लघूत्तरात्मक प्रश्न

स्वतंत्रता के बाद भारत के सामने किन्हीं दो प्रमुख चुनौतियों को बताइए। [RBSE-2022, RBSE-2024]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

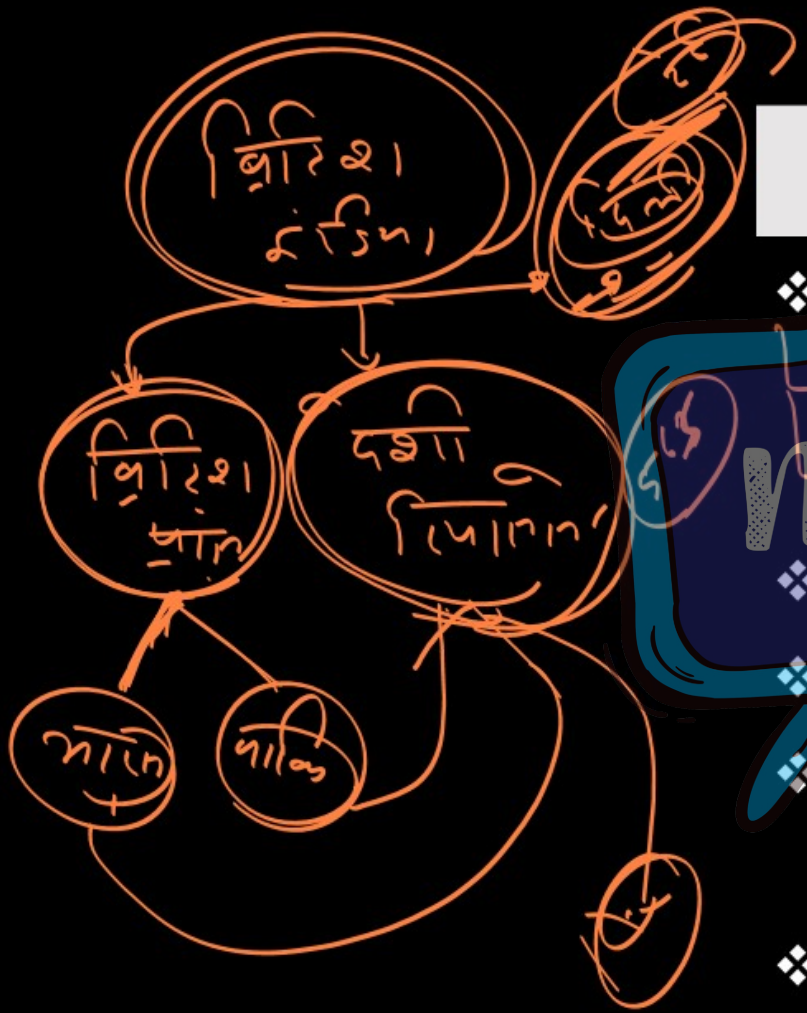
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. विभाजन : विस्थापन और पुनर्वास



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

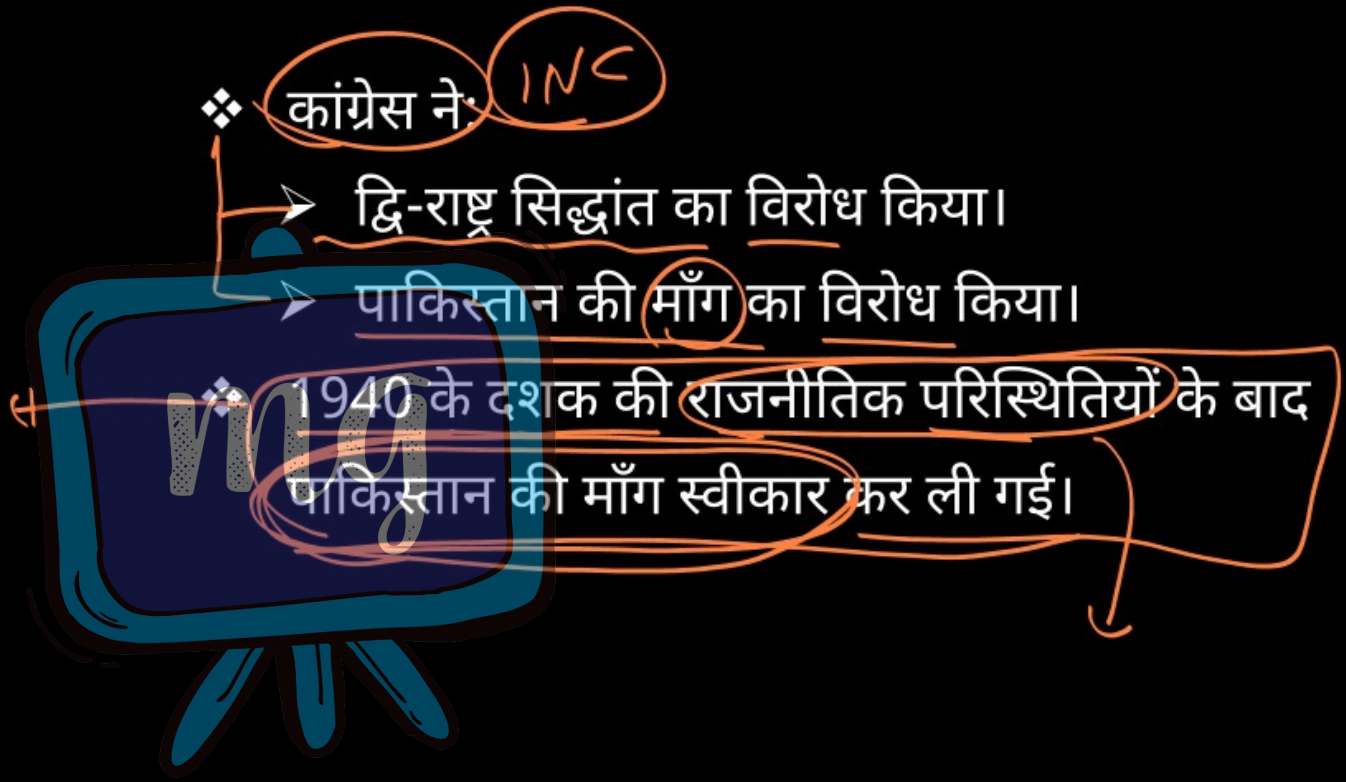


I. विभाजन की पृष्ठभूमि

- 14–15 अगस्त 1947 को दो राष्ट्र अस्तित्व में आए:
  - भारत
  - पाकिस्तान
- ब्रिटिश इंडिया को इन दो देशों में बाँटा गया।
- मुस्लिम लीग ने 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' प्रस्तुत किया।
- इसके अनुसार भारत में हिंदू और मुसलमान दो अलग कौमें थीं।
- इसी आधार पर मुस्लिम लीग ने मुसलमानों के लिए अलग देश पाकिस्तान की माँग की।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



II. विभाजन की प्रक्रिया

मूल आधार

- धार्मिक बहुसंख्या → क्षेत्र का निर्धारण
  - मुस्लिम-बहुल क्षेत्र → पाकिस्तान
  - शेष क्षेत्र → भारत
- लेकिन इसे लागू करने में कई कठिनाइयाँ थीं।

कठिनाई 1 — पाकिस्तान के दो अलग हिस्से

- मुस्लिम-बहुल क्षेत्र एक स्थान पर नहीं थे।
- एक क्षेत्र पश्चिम में तथा दूसरा पूर्व में था।
- इसलिए पाकिस्तान के दो हिस्से बने:
  - पश्चिमी पाकिस्तान
  - पूर्वी पाकिस्तान
- दोनों के बीच विशाल भारतीय भू-भाग था।

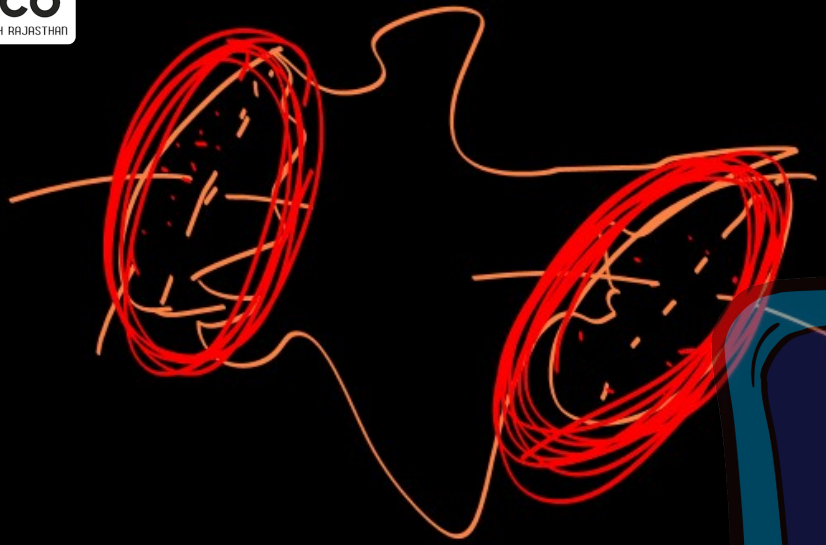
कठिनाई 2 — सभी मुस्लिम-बहुल क्षेत्र पाकिस्तान के पक्ष में नहीं

- खान अब्दुल गफ्फार खान
  - पश्चिमोत्तर सीमाप्रांत के प्रमुख नेता।
  - 'सीमांत गाँधी' के रूप में प्रसिद्ध।
  - द्वि-राष्ट्र सिद्धांत के विरोधी।

उनकी राय की अनदेखी करते हुए पश्चिमोत्तर सीमाप्रांत को पाकिस्तान में शामिल माना गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कठिनाई 3 — पंजाब और बंगाल का विभाजन

- पंजाब और बंगाल मुस्लिम-बहुल प्रांत थे।
- इनमें कई क्षेत्र गैर-मुस्लिम बहुसंख्यक थे।
- इसलिए इन प्रांतों का भी धार्मिक बहुसंख्या के आधार पर विभाजन किया गया।
- जिले या उससे नीचे के प्रशासनिक हलके को आधार बनाया गया।
- स्वतंत्रता के दिन तक अनेक लोगों को यह स्पष्ट नहीं था कि वे भारत में हैं या पाकिस्तान में।
- पंजाब और बंगाल का विभाजन बड़ी त्रासदी बना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

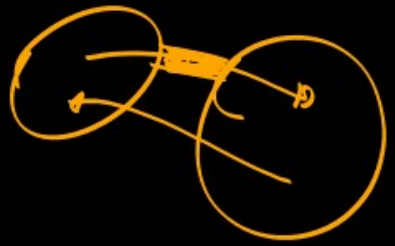
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कठिनाई 4 — अल्पसंख्यकों की समस्या

- पाकिस्तान बनने वाले क्षेत्रों में बड़ी संख्या में हिंदू और सिख थे।
- भारतीय पंजाब और बंगाल में बड़ी संख्या में मुसलमान थे।
- दिल्ली और आसपास भी बड़ी मुस्लिम आबादी थी।
- विभाजन स्पष्ट होते ही अल्पसंख्यक समुदायों के विरुद्ध हिंसा बढ़ी।
- सीमा के दोनों ओर लोगों को बहुत कम समय में अपना घर छोड़ना पड़ा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



III. विभाजन के परिणाम

(A) बड़े पैमाने पर विस्थापन

- आबादी का स्थानांतरण:
  - आकस्मिक
  - अनियोजित
  - त्रासदीपूर्ण
- यह मानव इतिहास के ज्ञात सबसे बड़े स्थानांतरणों में से एक था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(B) सांप्रदायिक हिंसा

- लाहौर, अमृतसर और कलकत्ता जैसे शहर सांप्रदायिक हिंसा के केंद्र बन गए।
- दोनों ओर के अल्पसंख्यकों को घर छोड़ना पड़ा।

(C) शरणार्थी संकट

- बड़ी संख्या में लोगों को शरणार्थी शिविरों में रहना पड़ा।
- अनेक लोगों ने पैदल सीमा पार की।
- बहुत से लोग लंबे समय तक बेठिकाना रहे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(D) महिलाओं एवं बच्चों पर प्रभाव

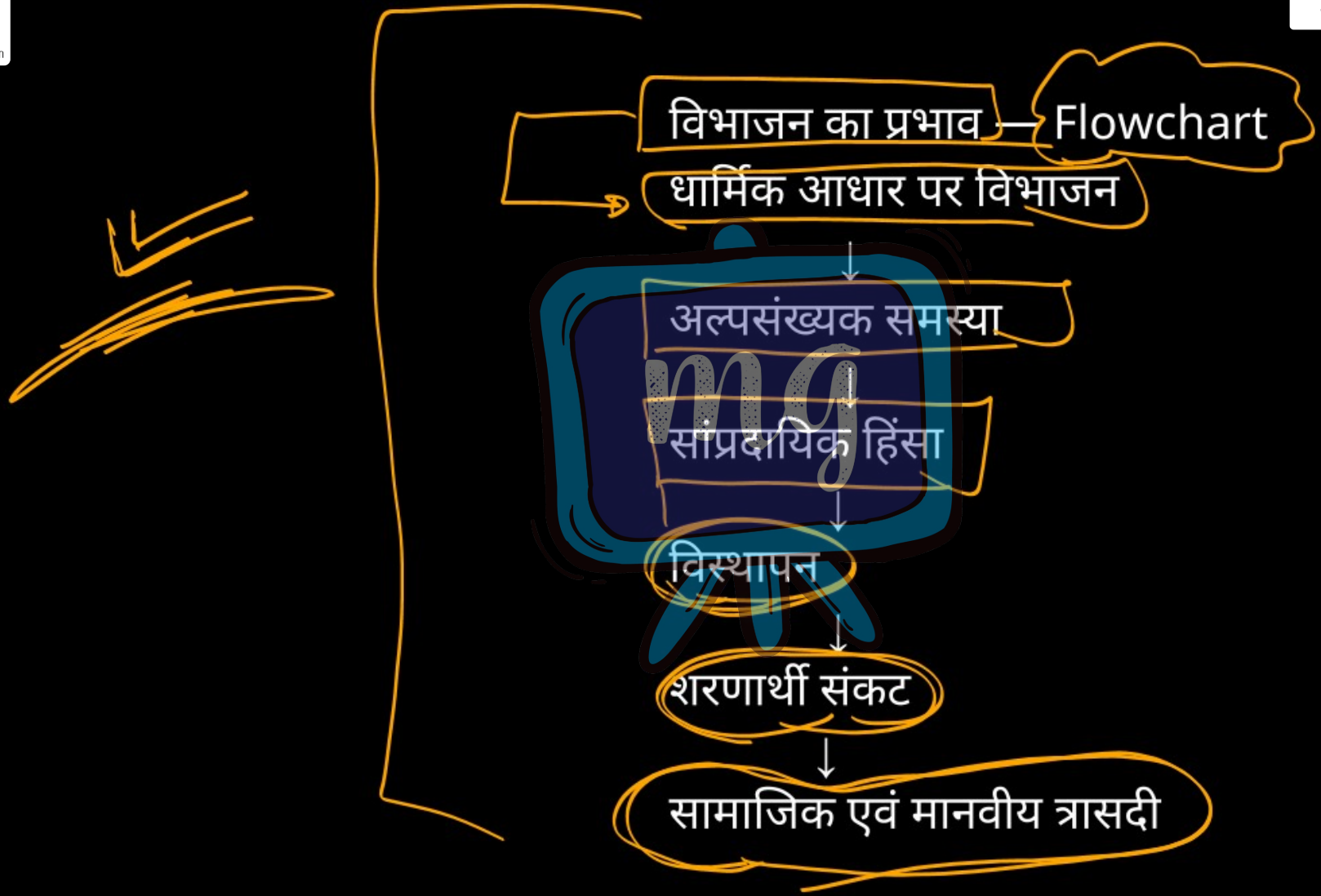
- हजारों महिलाओं का अपहरण हुआ।
- ज़बरन विवाह और धर्म परिवर्तन की घटनाएँ हुईं।
- अनेक बच्चे अपने माता-पिता से बिछड़ गए।

(E) मानवीय क्षति

- लगभग 80 लाख लोगों को घर छोड़कर सीमा पार करनी पड़ी।
- हिंसा में लगभग 5 से 10 लाख लोगों की मृत्यु हुई।
- सरकारी संपदा, कर्मचारियों और संस्थाओं तक का बँटवारा हुआ।
- दो पड़ोसी समुदाय हिंसक अलगाव के शिकार बने।

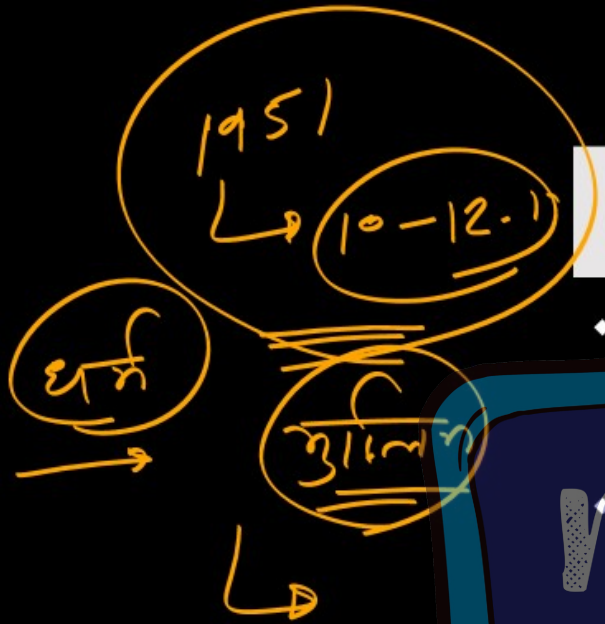
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



IV. धर्मनिरपेक्ष राज्य की अवधारणा

- विभाजन धर्म के आधार पर हुआ, लेकिन भारतीय नेतृत्व द्वि-राष्ट्र सिद्धांत में विश्वास नहीं करता था।
- 1951 में भारत की कुल आबादी में लगभग 10–12% मुसलमान थे।
- अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों में:
  - सिख
  - ईसाई
  - जैन
  - बौद्ध
  - पारसी
  - यहूदी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- राष्ट्रीय सरकार के अधिकतर नेता सभी नागरिकों को समान दर्जा देने के पक्षधर थे।
- नागरिकता की कसौटी धर्म को नहीं माना जाना था।
- नेताओं ने धर्मनिरपेक्ष राज्य के आदर्श का समर्थन किया।
- इसकी अभिव्यक्ति भारतीय संविधान में हुई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

V. महात्मा गाँधी और सांप्रदायिक सद्भाव

- गाँधीजी ने 15 अगस्त 1947 के स्वतंत्रता समारोह में भाग नहीं लिया।
- वे सांप्रदायिक दंगों से प्रभावित कोलकाता में थे।
- हिंदुओं और मुसलमानों से हिंसा छोड़ने को कहा।
- शांति स्थापित करने के लिए उपवास किया।
- बाद में दिल्ली पहुँचे।
- उनका उद्देश्य:
  - मुसलमानों को गरिमापूर्ण जीवन
  - सभी को बराबर नागरिक का दर्जा
  - सांप्रदायिक हिंसा में कमी

- जनवरी 1948 में उन्होंने पुनः उपवास किया।
- इसके बाद:
  - दिल्ली में तनाव एवं हिंसा कम हुई।
  - मुसलमान सुरक्षित घर लौटे।
  - भारत सरकार पाकिस्तान का देय चुकाने पर सहमत हुई।
- 30 जनवरी 1948 को नाथूराम विनायक गोडसे ने गाँधीजी की हत्या कर दी।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

'सीमांत गाँधी' के नाम से कौन प्रसिद्ध थे [RBSE-2023]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

भारत विभाजन के परिणामों की विवेचना कीजिए।

(RBSE-2022, RBSE-2025, Model Paper-2023)

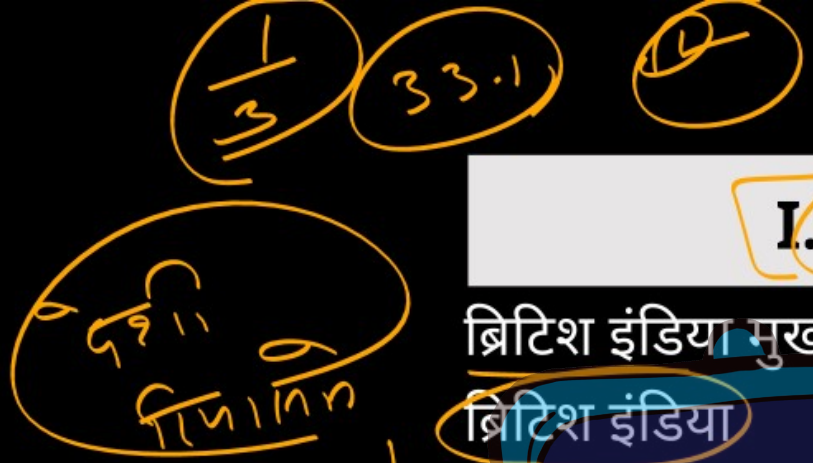


3. रजवाड़ों का विलय



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



I. ब्रिटिश इंडिया की संरचना

ब्रिटिश इंडिया मुख्यतः दो हिस्सों में था:

ब्रिटिश इंडिया
- → ब्रिटिश शासन वाले भारतीय प्रांत
- → देसी रजवाड़े

- ब्रिटिश प्रांतों पर अंग्रेजी सरकार का सीधा नियंत्रण था।
- रजवाड़ों में राजाओं का शासन था।
- रजवाड़ों ने ब्रिटिश सर्वोच्च सत्ता स्वीकार कर रखी थी।
- भारतीय साम्राज्य के लगभग एक-तिहाई हिस्से में रजवाड़े थे।
- लगभग प्रत्येक चार भारतीयों में से एक किसी रजवाड़े की प्रजा था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

II. रजवाड़ों से संबंधित समस्या

- कुल 565 रजवाड़े थे।
- ब्रिटिश शासन समाप्त होने के साथ वे कानूनी रूप से स्वतंत्र हो जाते।
- उनके सामने विकल्प थे:
  - भारत में शामिल होना
  - पाकिस्तान में शामिल होना
  - स्वतंत्र रहना
- यह निर्णय रजवाड़ों की जनता को नहीं बल्कि राजाओं को करना था।
- इससे अखंड भारत के अस्तित्व पर खतरा उत्पन्न हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

समस्या के संकेत

- त्रावणकोर के राजा ने स्वतंत्र रहने की घोषणा की।
- अगले दिन हैदराबाद के निजाम ने भी ऐसा किया।
- भोपाल के नवाब जैसे कुछ शासक संविधान सभा में शामिल नहीं होना चाहते थे।
- आशंका:
  - भारत कई छोटे देशों में बँट सकता था।
  - लोकतंत्र का भविष्य प्रभावित हो सकता था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



III. सरकार का दृष्टिकोण और सरदार पटेल की भूमिका

- अंतरिम सरकार ने देश के छोटे-छोटे राज्यों में बँटने की संभावना के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाया।
- सरदार पटेल ने रजवाड़ों के शासकों को भारतीय संघ में शामिल होने के लिए राजी करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- यह एक जटिल कार्य था, जिसमें:
  - चतुराई
  - बातचीत
  - युक्तिपूर्ण पहल आवश्यक थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रजवाड़ों के संदर्भ में तीन मुख्य बातें

- अधिकांश रजवाड़ों की जनता भारतीय संघ में शामिल होना चाहती थी।
- भारत सरकार ने लचीला दृष्टिकोण अपनाया और कुछ क्षेत्रों को स्वायत्तता देने के लिए तैयार थी।
- विभाजन की पृष्ठभूमि में क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय एकता सर्वोपरि बन गई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विलय पत्र

IV. इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन

- अधिकांश रजवाड़े 15 अगस्त 1947 से पहले भारतीय संघ में शामिल हो गए।
- रजवाड़ों के शासकों ने विलय के एक सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए।
- इसे 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन' कहा गया।
- इसका अर्थ:
  - रजवाड़ा भारतीय संघ का अंग बनने के लिए सहमत है।
- अपेक्षाकृत कठिन मामले:
  1. जूनागढ़
  2. कश्मीर
  3. हैदराबाद
  4. मणिपुर

V. हैदराबाद का विलय

A. स्थिति

- हैदराबाद एक बहुत बड़ी रियासत थी।
- चारों ओर से भारतीय क्षेत्र से घिरी थी।
- शासक को निजाम कहा जाता था।
- निजाम हैदराबाद को स्वतंत्र रियासत बनाए रखना चाहता था।
- नवंबर 1947 में भारत के साथ एक वर्ष का यथास्थिति समझौता हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

B. आंतरिक आंदोलन

- तेलंगाना के किसान निजाम के दमनकारी शासन के विरुद्ध उठे।
- महिलाएँ भी बड़ी संख्या में आंदोलन से जुड़ीं।
- आंदोलन में अग्रणी:
  - कम्युनिस्ट
  - हैदराबाद कांग्रेस
- निजाम ने अर्द्धसैनिक बल 'रजाकार' भेजा।
- रजाकारों ने गैर-मुसलमानों को विशेष रूप से निशाना बनाया।

C. विलय

- सितंबर 1948 में भारतीय सेना हैदराबाद पहुँची।
- कुछ दिनों की लड़ाई के बाद निजाम ने आत्मसमर्पण किया।
- इसके बाद हैदराबाद का भारत में विलय हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

VI. मणिपुर का विलय

- महाराजा बोधचंद्र सिंह ने आजादी से कुछ दिन पहले भारतीय संघ में विलय के सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए।
- उन्हें आंतरिक स्वायत्तता बनाए रखने का आश्वासन मिला।
- जून 1948 में चुनाव हुए।
- मणिपुर में संवैधानिक राजतंत्र स्थापित हुआ।
- मणिपुर भारत का पहला भाग था जहाँ सार्वभौम वयस्क मताधिकार के सिद्धांत के आधार पर चुनाव हुए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- विधानसभा में भारत में विलय को लेकर मतभेद थे।
- मणिपुर कांग्रेस विलय के पक्ष में थी।
- अन्य राजनीतिक पार्टियाँ विरोध में थीं।
- सितंबर 1949 में भारत सरकार महाराजा को भारतीय संघ में शामिल होने के समझौते पर हस्ताक्षर के लिए राजी करने में सफल हुई।

बहुविकल्पात्मक प्रश्न

'देशी रियासतों के एकीकरण' में किसने अहम भूमिका निभाई? [Model Paper-2025]

(A) सरदार वल्लभभाई पटेल

(B) गोपाल कृष्ण गोखले

(C) जवाहरलाल नेहरु

(D) महात्मा गाँधी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बहुविकल्पात्मक प्रश्न

1948 में सार्वभौम वयस्क मताधिकार के आधार पर भारत के किस भाग में चुनाव करवाए गए?

[Model Paper-2026]



A त्रिपुरा

B गुजरात

C मणिपुर

D उड़ीसा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रिक्त स्थान

स्वतंत्रता के बाद अधिकांश रजवाड़ों ने भारत के साथ _____ के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।

[RBSE-2026]

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

लघूत्तरात्मक प्रश्न

स्वतंत्रता के समय ब्रिटिश इंडिया दो भागों में था— समझाइए।

[RBSE-2023]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

लघूत्तरात्मक प्रश्न

हैदराबाद के भारत में विलय में क्या समस्याएँ आईं?

[RBSE-2026]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

निबंधात्मक प्रश्न

रजवाड़ों के विलय पर भारत सरकार के नजरिए की विवेचना कीजिए।

[RBSE-2022, Model Paper-2023]

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

निबंधात्मक प्रश्न

स्वतंत्रता पश्चात रजवाड़ों का विलय किस प्रकार हुआ? हैदराबाद और मणिपुर के संदर्भ में समझाइए।

[Model Paper-2026]



4. राज्यों का पुनर्गठन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



I. मुख्य चुनौती

रजवाड़ों के विलय के बाद प्रश्न था:

भारत के प्रांतों की आंतरिक सीमाएँ कैसे तय हों?

सीमाओं में दो बातों का संतुलन आवश्यक था:

भाषाई एवं सांस्कृतिक बहुलता

+

राष्ट्रीय एकता

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- औपनिवेशिक शासन में सीमाएँ मुख्यतः प्रशासनिक सुविधा के आधार पर बनी थीं।
- राष्ट्रीय सरकार ने इस सीमांकन को बनावटी माना।
- भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का विचार पहले से मौजूद था।
- 1920 के कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन के बाद कांग्रेस ने भाषाई आधार पर पुनर्गठन के सिद्धांत को स्वीकार किया था।

II. भाषाई राज्यों को लेकर प्रारंभिक आशंकाएँ

आजादी एवं विभाजन के बाद नेताओं को डर था कि:

- भाषाई राज्यों से अव्यवस्था फैल सकती है।
- देश के टूटने का खतरा उत्पन्न हो सकता है।
- सामाजिक-आर्थिक समस्याओं से ध्यान हट सकता है।
- विभाजन की यादें अभी ताजा थीं।
- रजवाड़ों का प्रश्न भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ था।

इसलिए केंद्रीय नेतृत्व ने भाषाई पुनर्गठन को कुछ समय के लिए स्थगित किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

III. विशाल आंध्र आंदोलन

- पुराने मद्रास प्रांत के तेलुगु-भाषी क्षेत्रों में अलग राज्य की माँग उठी।
- विशाल आंध्र आंदोलन ने तेलुगु-भाषी क्षेत्रों को अलग करके आंध्र प्रदेश बनाने की माँग की।
- लगभग सभी तेलुगु-भाषी राजनीतिक शक्तियाँ भाषाई पुनर्गठन के पक्ष में थीं।

पोट्टी श्रीरामुलु

- कांग्रेस नेता एवं गाँधीवादी।
- अलग आंध्र राज्य के लिए अनिश्चितकालीन भूख-हड़ताल की।
- 56 दिनों की भूख-हड़ताल के बाद उनकी मृत्यु हुई।
- परिणाम:
  - व्यापक आंदोलन
  - हिंसक घटनाएँ
  - पुलिस फायरिंग
  - विधायकों के इस्तीफे
  - अंततः दिसंबर 1952 में प्रधानमंत्री ने अलग आंध्र प्रदेश बनाने की घोषणा की।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

IV. राज्य पुनर्गठन आयोग

A. गठन

1953 — केंद्र सरकार ने राज्य पुनर्गठन आयोग बनाया।

B. कार्य

राज्यों के सीमांकन के प्रश्न पर विचार करना।

C. प्रमुख सिफारिश

राज्यों की सीमाओं का निर्धारण वहाँ बोली जाने वाली भाषा के आधार पर होना चाहिए

D. परिणाम

1956 — राज्य पुनर्गठन अधिनियम

इसके आधार पर:

- 14 राज्य
- 6 केंद्र-शासित प्रदेश बनाए गए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

V. भाषाई पुनर्गठन का महत्व

प्रारंभिक आशंका:

भाषाई राज्य → अलगाववाद → राष्ट्रीय एकता पर खतरा

वास्तविक परिणाम:

भाषाई माँगों की स्वीकृति → लोकतांत्रिक भागीदारी → विविधताओं की मान्यता → राष्ट्रीय एकता मजबूत

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- क्षेत्रीय और भाषाई माँगों को स्वीकार करना लोकतांत्रिक कदम माना गया।
- राजनीति और सत्ता में भागीदारी का रास्ता केवल अंग्रेजीभाषी अभिजात वर्ग तक सीमित नहीं रहा।
- राज्यों के सीमांकन को अधिक समरूप आधार मिला।
  - आशंकाओं के विपरीत:
  - देश नहीं टूटा।
  - राष्ट्रीय एकता मजबूत हुई।
- भाषाई पुनर्गठन ने विविधता के सिद्धांत को स्वीकार किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- लोकतंत्र का व्यापक अर्थ:
  - विविधताओं की पहचान
  - विविधताओं की स्वीकृति
  - विचारों और जीवन-पद्धतियों की बहुलता को स्वीकार करना।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

VI. बाद में नए राज्यों का निर्माण

वर्ष	राज्य/परिवर्तन
1960	महाराष्ट्र और गुजरात
1963	नागालैंड
1966	पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश
1972	मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा अलग राज्यों के रूप में
1987	मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश
2000	छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और झारखंड
2014	तेलंगाना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

बहुविकल्पात्मक प्रश्न

भारत में 'राज्य पुनर्गठन आयोग' की स्थापना/गठन कब हुआ? [RBSE-2022, RBSE-2026]



A 1950

B 1953

C 1956

D 1959

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

भारत में भाषा के आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का निर्माण हुआ?

[RBSE-2024]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

सन् 2000 में भारत में कौन-से तीन नए राज्य बने?

[RBSE-2026]



महत्वपूर्ण तिथियाँ — Quick Revision	
तिथि/वर्ष	घटना
14–15 अगस्त 1947	भारत की स्वतंत्रता एवं भारत-पाकिस्तान का अस्तित्व
30 जनवरी 1948	महात्मा गाँधी की हत्या
जून 1948	मणिपुर में चुनाव
सितंबर 1948	हैदराबाद का भारत में विलय
सितंबर 1949	मणिपुर के विलय संबंधी समझौते में सफलता
दिसंबर 1952	अलग आंध्र प्रदेश बनाने की घोषणा
1953	राज्य पुनर्गठन आयोग

महत्वपूर्ण तिथियाँ — Quick Revision	
तिथि/वर्ष	घटना
1956	राज्य पुनर्गठन अधिनियम
1960	महाराष्ट्र एवं गुजरात
1963	नागालैंड
1966	पंजाब, हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश
1972	मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा
1987	मिजोरम एवं अरुणाचल प्रदेश
2000	छत्तीसगढ़, उत्तराखंड एवं झारखंड
2 जून 2014	तेलंगाना